



राजपत्र, हिमाचल प्रदेश (मसाधारण)

हिमाचल प्रदेश राज्य शासन द्वारा प्रकाशित

शिमला, मंगलवार, 15 जुलाई, 2003/24 आषाढ़, 1925

हिमाचल प्रदेश सरकार

प्रशिक्षण एवं विदेशी सतनुद्देशन विभाग

अधिसूचना

शिमला-2, 9 जून, 2003

संख्या 'का०(प्र०)(बी) 2-3/87. —हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल, भारत के संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए, इस विभाग की समसंख्यांक अधिसूचना तारीख 18 मार्च, 1995, द्वारा अधिसूचित हिमाचल प्रदेश लोक प्रशासन संस्थान में वर्ग-IV सेवाएं (चपड़ासी/बोकीदार/रखोई बालक/रखोई बैरा/कक्ष परिचर/कनिष्ठ-कम-कण्डक्टर/पुस्तकालय परिचर/माली एवं सफाई कर्मचारी) पद के भर्ती एवं प्रोन्नति नियम, 1995 में श्रीर संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात्:—

1. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ.—(i) इन नियमों का संक्षिप्त नाम हिमाचल प्रदेश, लोक प्रशासन संस्थान वर्ग-IV सेवाएं भर्ती एवं प्रोन्नति (प्रथम संशोधन) नियम, 2003 है।

(ii) ये नियम राजपत्र, हिमाचल प्रदेश में प्रकाशित किए जाने की तारीख से प्रबल होंगे।

2. उपाबन्ध "ग" का संशोधन.—हिमाचल प्रदेश लोक प्रशासन संस्थान, वर्ग-IV सेवाएं भर्ती एवं प्रोन्नति नियम, 1995 के उपाबन्ध "ग" में:—

(क) स्तम्भ संख्या-4 के सामने विद्यमान उपबन्धों के स्थान पर निम्नलिखित प्रतिस्थापित किए जाएंगे, अर्थात्:—

"रूपये 2720-100-3220-110-3660-120-4260-80 रुपये (विशेष वेतन भत्ता)"

(ख) स्तम्भ संख्या-6 के सामने विद्यमान उपबन्धों में अकों और शब्दों "18 से 35 वर्ष" के स्थान पर "18 से 45 वर्ष" अंक और शब्द प्रतिस्थापित किए जाएंगे।

(ग) स्तम्भ संख्या-11 के सामने विद्यमान उपबन्धों के स्थान पर निम्नलिखित प्रतिस्थापित किए जाएंगे, अर्थात् :—

वर्ग-IV कर्मचारियों में से जिनका 5 वर्ष का सेवाकाल हो, प्रोन्नति द्वारा/प्रोन्नति के प्रयोजन के लिए उनकी पारस्परिक वरिष्ठता को परिवर्तित किए बिना, सेवाकाल के आधार पर एक संयुक्त वरिष्ठता सूची तैयार की जाएगी।

(1) प्रोन्नति के सभी मामलों में, पद पर नियमित नियुक्ति से पूर्व सम्भरण पद पर की गई निरन्तर तदर्थ सेवा, यदि कोई हो, प्रोन्नति के लिए इन नियमों में यथाविहित सेवाकाल के लिए इस शर्त के अधीन रहते हुए गणना में ली जाएगी, कि सम्भरण प्रवर्ग में तदर्थ नियुक्ति/प्रोन्नति भर्ती एवं प्रोन्नति नियमों के उपबन्धों के अनुसार चयन की उचित स्वीकार्य प्रक्रिया को अपनाने के पश्चात् की गई थी:

परन्तु यह कि उन सभी मामलों में जिनमें कोई कनिष्ठ व्यक्ति सम्भरण पद में अपने कुल सेवाकाल (तदर्थ आधार पर की गई सेवा सहित जो नियमित सेवा/नियुक्ति के अनुसरण में हो) के आधार पर उपर्युक्त निर्दिष्ट उपबन्धों के कारण विचार किए जाने का पात्र हो जाता है, वहां अपने-अपने प्रवर्ग/पद/कांडर में उससे वरिष्ठ सभी व्यक्ति विचार किए जाने के पात्र समझे जायेंगे और विचार करते समय कनिष्ठ व्यक्ति से ऊपर रख जायेंगे :

परन्तु यह और कि उन सभी पदधारियों की, जिन पर प्रोन्नति के लिए विचार किया जाना है, कम से कम तीन वर्ष की न्यूनतम अर्हता सेवा या पद के भर्ती एवं प्रोन्नति नियमों में विहित सेवा इनमें से जो भी कम हो, होगी :

परन्तु यह और कि जहां कोई व्यक्ति पूर्वगामी परन्तुक की अपेक्षाओं के कारण प्रोन्नति किए जाने सम्बन्धी विचार के लिए अपात्र हो जाता है, वहां उससे कनिष्ठ व्यक्ति भी ऐसी प्रोन्नति के विचार के लिए अपात्र समझा जायेगा/समझे जाएंगे।

स्पष्टीकरण.—अन्तिम परन्तुक के अन्तर्गत कनिष्ठ पदधारी प्रोन्नति के लिए अपात्र नहीं समझा जायेगा/समझे जाएंगे यदि वरिष्ठ अपात्र व्यक्ति भूतपूर्व सैनिक है जिसे डिमोबिलाइज्ड आर्मंड फोसिज परसोनल (रिजर्वेशन आफ वेकेंसीज इन हिमाचल स्टेट नान-टैक्नीकल सर्विसिज) रुलज, 1972 के नियम 3 के प्रावधानों के अन्तर्गत भर्ती किया गया हो तथा इनके अन्तर्गत वरीयता लाभ दिए गए हों या जिसे ऐक्स सर्विसमैन (रिजर्वेशन आफ वेकेंसीज इन दी हिमाचल प्रदेश टैक्नीकल सर्विसिज) रुलज, 1985 के नियम 3 के प्रावधानों के अन्तर्गत भर्ती किया गया हो तथा इनके अन्तर्गत वरीयता लाभ दिए गए हों।

(2) इसी प्रकार स्थायीकरण के सभी मामलों में ऐसे पद पर नियमित नियुक्ति/प्रोन्नति से पूर्व सम्भरण पद पर की गई निरन्तर तदर्थ सेवा, यदि कोई हो, सेवाकाल के लिए गणना में ली जाएगी, यदि तदर्थ नियुक्ति/प्रोन्नति उचित चयन के पश्चात् और भर्ती एवं प्रोन्नति नियमों के उपबन्धों के अनुसार की गई थी :

परन्तु की गई उपर्युक्त निर्दिष्ट तदर्थ सेवा को गणना में लेने के पश्चात् जो स्थायीकरण होगा उसके फलस्वरूप पारस्परिक वरीयता अपरिवर्तित रहेगी, और

(घ) स्तम्भ संख्या 14 के सामने विद्यमान उपबन्धों के स्थान पर निम्नलिखित प्रतिस्थापित किये जाएंगे, अर्थात् :—

“किसी सेवा या पद पर नियुक्ति के लिए अभ्यर्थी का भारत का नागरिक होना अनिवार्य है” ।

आदेश द्वारा,

अरविन्द कौल,
अतिरिक्त मुख्य सचिव ।

[Authoritative English text of this Department notification No. Per.(Trg.)B(2)-3/87, dated, 9-6-2003 as required under clause (3) of Article 348 of the Constitution of India].

TRAINING AND FOREIGN ASSIGNMENT DEPARTMENT

NOTIFICATION

Shimla-171 002, the 9th June, 2003

No. Per.(Trg.)B(2)-3/87.—In exercise of the powers conferred by proviso to Article 309 of the Constitution of India, the Governor, Himachal Pradesh, is pleased to make the following rules further to amend the Himachal Pradesh Institute of Public Administration, Class-IV services (Peon/Chowkidar/Kitchen Boy/Kitchen Bearer/Room Attendant Cleaner-cum-Conductor, Library Attendant, Mali and Sweeper) Recruitment and Promotion Rules, 1995 notified *vide* this Department Notification of even number dated 18-3-1995, namely:—

1. Short title and commencement.—(i) These rules may be called the Himachal Pradesh Institute of Public Administration, Class-IV Services Recruitment and Promotion (First Amendment) Rules, 2003.

(ii) These rules shall come into force from the date of publication in the Rajpatra, Himachal Pradesh.

2. Amendment of Annexure “C”.—In Annexure “C” to the Himachal Pradesh Institute of Public Administration, Class-IV Services Recruitment and Promotion Rules, 1995:—

(a) For the existing provisions against Column No. 4, the following shall be substituted, namely:—

“Rs. 2720-100-3220-110-3660-120-4260+Rs. 80/- (Special Allowance)”

(b) For the existing provisions against Column No. 6, for the figures & words “Between 18 & 35 years” the figures & words “Between 18 and 45 years” shall be substituted;

(c) For the existing provisions against Column No. 11, the following shall be substituted, namely:—

By promotion from amongst the Class-IV employees having five years of regular service. For the purpose of promotion a joint seniority list based on the basis of length of service will be prepared without disturbing their *inter-se* seniority list.

(1) In all cases of promotion the continuous *ad hoc* service rendered in the feeder post if any, prior to regular appointment to the post shall be taken into account towards the

length of service as prescribed in these Rules for promotion subject to the condition that the *ad hoc* appointment/promotion in the feeder category had been made after following proper acceptable process of selection in accordance with the provisions of Recruitment and Promotion Rules, provided that:—

- (i) in all cases where a junior person becomes eligible for consideration by virtue of his total length of service (including the service rendered on *ad hoc* basis followed by regular service/appointment) in the feeder post in view of the provision referred to above, all persons senior to him in the respective category/post/cadre shall be deemed to be eligible for consideration and placed above the junior person in the field of consideration:

Provided that all incumbents to be considered for promotion shall possess the minimum qualifying service of atleast three years or that prescribed in the Recruitment and Promotion Rules for the post, whichever is less:

Provided further that where a person becomes ineligible to be considered for promotion on account of the requirements of the preceding proviso, the person(s) junior to him shall also be deemed to be ineligible for consideration for such promotion.

Explanation.—The last proviso shall not render the junior incumbents ineligible for consideration for promotion if the senior ineligible persons happened to be Ex-servicemen recruited under the provisions of Rule 3 of Demobilised Armed Forces Personnel (Reservation of Vacancies in Himachal State Non-Technical Services) Rules, 1972 and having been given the benefit of seniority thereunder or recruited under the provisions of rule 3 of Ex-servicemen (Reservation of Vacancies in the Himachal Pradesh Technical Services) Rules, 1985 and having been given the benefit of seniority thereunder.

(2) Similarly in all cases of confirmation continuous *ad hoc* service rendered on the feeder post, if any, prior to the regular appointment against such post shall be taken into account towards the length of service, if the *ad hoc* appointment/promotion had been made after proper selection and in accordance with the provisions of the Recruitment and Promotion Rules:

Provided that *inter-se* seniority as a result of confirmation after taking into account, *ad hoc* service rendered as referred to above shall remain unchanged; and

- (d) For the existing provisions against Column No. 14, the following shall be substituted, namely:—

“A candidate for appointment to any service or post must be a citizen of India”.

By order,

ARVIND KAUL,
Additional Chief Secretary.